स्वर्णिम भारत का निर्माण करना ही परमात्मा का मुख्य लक्ष्य–भगत

आबू रोड,1 अक्टूबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा स्वर्णिम युग की स्थापना के लिए परमात्मा की अवतरण विषय पर आयोजित महोत्सव में नेपाल तथा देशभर से आये बुद्धिजीवियों के बीच मंथन शुरू हो गया। तीन दिवसीय इस महोत्सव में धर्मगलानि कलियुग के अन्त तथा मूल्यों से परिपूर्ण युग सतयुग अर्थात सोने की चिड़िया भारत की निशानी होती है। इस नयी दुनियां की स्थापना करना ही परमपिता परमात्मा का मुख्य लक्ष्य होता है। उक्त उदगार पटना सरकार के रोड कन्स्ट्रक्सन विभाग के विशेष सचिव योगेन्द्र भगत ने व्यक्त किये। वे शांतिवन के डायमंड हॉल में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि आज चारो आरे बुराईयों का साम्राज्य है। जो हमारी सदभावना और एकता को खंडित करते हैं। इसलिए इन बुराईयों को समाप्त करने में इस महोत्सव के दौरान मिली ऊर्जा से मदद मिलेगी। राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज पूरी दुनियां में धर्म की अतिगलानि हो चुकी है। मानवीय मूल्य लगातार गिरते जा रहे है। यही कारण है कि आज समाज में ऐसी समस्यायें उत्पन्न हुई है। जिसका शास्त्रों में भी जिक्र नहीं है। भागवद गीता, रामायण तथा पुराणों में वर्णित परमात्मा के कथन अनुसार आज कलियुग के अन्त और सतयुग के आदि की निशानी हैं। जिसके लिए परमात्मा नयी दुनियां की स्थापना का कार्य करा रहे हैं। इसी उददेश्य को लेकर इस महोत्सव का आयोजन किया गया है।पर्यावरणविद तथा वैज्ञानिक एवं अभियन्ता प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र0 कु0 मोहन सिंघल ने कहा कि आज सभी साधनों के प्यूरीफिकेशन का समय है। इसे शुद्ध बनाने के लिए अपने सोच ऊर्जा को सकारात्मक बनाना चाहिए।

ज्ञातव्य हो कि इस महोत्सव में देशभर से राजनीतिज्ञ, प्रशासक, शिक्षाविद, मीडियाकर्मी, व्यापारी, न्यायपति, धार्मिक गुरू, यातायात, समाज सेवा, कला एवं संस्कृति क्षेत्र से जुड़े चार हजार बुद्धिजीवी भाग ले रहे हैं। यह महोत्सव तीन दिन तक चलेगा। इसका महोत्सव का उदघाटन शनिवार को प्रातः दस बजे होगा।

कार्यक्रम के दौरान खेलकूद प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र0 कु0 शशि ने उपस्थित लोगों को ईश्वरानुभूति करायी तथा कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 शारदा ने किया।

फोटो, 1एबीआर, 1, 2 सभा को सम्बोधित करते अतिथि, उपस्थित बुद्जीवी।